

अभियोग
हुकम
में जारी
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

23-2-21 पत्रावली पेश हुई जमीन वाली उपस्थित
केसिका सरकार द्वारा शायदवाली केस
विशय शर्मा नरकल वाली को दिनांक
शही वरते साक्ष्य वाली पत्रावली दिनांक
26-3-21 को पेश हो।

26-3-21

पत्रावली पेश हुई अभिभाषक उभय पक्ष
उपस्थित है। आज श्रीमान उपखण्ड अधिकारी
राज्य कार्यवाही दफ्तर में तथरीफ रखते है।
अन्य कार्य में व्यस्त है। अभिभाषणगण
कन्डोलैन्स पर है। अतः पत्रावली साबिक
कार्यवाही हेतु दिनांक...2.4.21...को
पेश हो।

9-4-21

पत्रावली पेश हुई अभिभाषक उभय पक्ष
उपस्थित है। आज श्रीमान उपखण्ड अधिकारी
राज्य कार्यवाही दफ्तर में तथरीफ रखते है।
अन्य कार्य में व्यस्त है। अभिभाषणगण
कन्डोलैन्स पर है। अतः पत्रावली साबिक
कार्यवाही हेतु दिनांक...7.5.21...को
पेश हो।

7-5-21

पत्रावली पेश हुई अभिभाषक उभय पक्ष
उपस्थित है। आज श्रीमान उपखण्ड अधिकारी
राज्य कार्यवाही दफ्तर में तथरीफ रखते है। कीविड-19
अन्य कार्य में व्यस्त है। अभिभाषणगण
कन्डोलैन्स पर है। अतः पत्रावली साबिक
कार्यवाही हेतु दिनांक...2.3.21...को
पेश हो।

23-2-21

पत्रावली पेश हुई जमीन वाली उपस्थित
केसिका सरकार उपस्थित दायरवाली केस
हुकी शही, वाली का दास-पत्र आश्रीक
श्रीकार विद्युत जाल की विद्युत लैन्स
पुश्कर से लैन्सकरण जकार शायद
पत्रावली विद्युत शर्मा पत्रावली केसल
मुभार लोक दास तन्मील कार्यालय इकर
हो।

उपखण्ड अधिकारी
लाखेरी जिला बुन्दी



न्यायालय उपखण्ड अधिकारी लाखेरी, जिला बून्दी (राज०)

वाद सं० 31/दावा/2019

पीठासीन अधिकारी

दायरा दिनांक 13.06.2019

श्री प्रमोद कुमार(R.A.S.)

1 बृजमोहन आ० राधाकिशन जाति धाकड़ निवासी ग्राम अरनिया तहसील इन्द्रगढ़
जिला बून्दी -वादी

बनाम

2 राजस्थान राज्य जयें तहसीलदार तहसील इन्द्रगढ़ जिला बून्दी राज०

-प्रतिवादी

वाद-अधिकार घोषणा

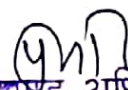
अन्तर्गत धारा 88,89 आर.टी.एक्ट

निर्णय

दिनांक 23.07.2021

वादी ने अन्तर्गत धारा 88,89 में वाद प्रस्तुत कर कथन किया कि कृषि भूमि खाता संख्या 67 खसरा नं० 116 रकबा 0.48 है०, खसरा नं० 119 रकबा 0.44 है०, खसरा नं० 123 रकबा 0.27 है०, खसरा नं० 128 रकबा 0.63 है० कुल किता 4 योग रकबा 1.88 हैक्टेयर वाके ग्राम अरनिया तहसील इन्द्रगढ़ जिला बून्दी राज० में स्थित है जो वादी के खाते एवं कब्जे काश्त की कृषि भूमि है वास्ते प्रमाण स्वरूप नकल जमाबन्दी सम्वत् 2076-2079 वाद पत्र के साथ सलग्न है व खाता संख्या 68 खसरा नं० 120 रकबा 0.03 है० गै० मु० चाह में हिस्सा 1/2 भाग ग्राम अरनिया में स्थित है।

वाद पत्र की चरण संख्या 1 में वर्णित कृषि भूमि जमाबन्दी सम्वत् 2072-2075 में वादी के शामिल की खाते से बंटवारानुसार दर्ज हुई उक्त कृषि भूमि खाता संख्या 67 में खसरा नं० 115 रकबा 0.54 है०, खसरा नं० 116 रकबा 0.48 है०, खसरा नं० 118 रकबा 0.50 है०, खसरा नं० 119 रकबा 0.44 है०, खसरा नं० 120 रकबा 0.03 है०, खसरा नं० 123 रकबा 0.27 है०, खसरा नं० 124 रकबा 0.65


उपखण्ड अधिकारी
लाखेरी जिला बून्दी

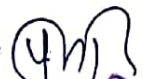
है0, खसरा नं0 128 रकबा 0.63 है0 किता 8 योग रकबा 3.54 हैक्टेयर वादी व महावीर श्रीराम के 1/2 - 1/2 खाते में दर्ज थी जिसका बंटवारा करवाने के पश्चात वाद पत्र की चरण सं0 1 में वर्णित कृषि भूमि वादी के खाते में दर्ज हुई है।

वाद पत्र की चरण संख्या 2 में वर्णित कृषि भूमि खसरा नं0 115, 116, 118, 119, 120, 123, 124, 128 कूल किता 8 में सेटलमेन्ट सर्वे सम्वत् 2041 से 2060 के पूर्व के पुराने खसरा नं0 44 रकबा 2 बीघा 9 बिस्वा, खसरा नं0 45 रकबा 13 बिस्वा, खसरा नं0 50 रकबा 2 बीघा 9 बिस्वा, खसरा नं0 51 रकबा 3 बीघा 10 बिस्वा, खसरा नं0 52 रकबा 6 बीघा 12 बिस्वा, खसरा नं0 44/189 रकबा 12 बिस्वा किता 6 योग रकबा 22 बीघा 3 बिस्वा थे। जो वादी एवं महावीर आ0 श्रीराम ने सयुंक्त रूप से जयें रजिस्टर विक्रय पत्र मु0 भगवती बैवा घ्यान सिंह, कुलदीप सिंह एवं गुरुबक्श सिंह, विरेन्द्र सिंह, व कन्हैया सिंह से खरीद की थी उक्त खरीद पत्र में वादी का नाम बृजमोहन आ0 राधाकिशन दर्ज था परन्तु विक्रय पत्र से खुले नामान्तरण में वादी का नाम बृजमोहन के स्थान पर मोहन दर्ज हो गया।

वादी के समस्त दस्तावेज में वादी का नाम बृजमोहन दर्ज है परन्तु विक्रय पत्र में वादी का पूरा नाम बृजमोहन दर्ज होने के पश्चात भी वादी का नाम राजस्व रिकार्ड में अधूरा नाम मोहन दर्ज है जिससे वादी बैंक से केसीसी, अन्य लाभ लेने से वंचित रहता है और परेशानी होती है जिसको दुरुस्त करवाने के लिए कई प्रार्थना पत्र तहसीलदार इन्द्रगढ़ को व शिविर में पेश किए गए परन्तु वादी का पूरा नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज नहीं किया गया। वादी ने जयें अधिवक्ता दिनांक 10.03.2019 को तहसीलदार इन्द्रगढ़ को रजि0 डाक से नोटिस पेश किया उक्त नोटिस की अवधि 2 माह दिनांक 11.05.2019 को पूर्ण हो जाने पर भी तहसीलदार इन्द्रगढ़ द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किए जाने से वाद कारण उत्पन्न हुआ

वादी का वाद पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादी को जयें सम्मन तलब किया गया प्रतिवादी द्वारा दिनांक 05.03.2021 को जवाबदावा प्रस्तुत कर कथन किया गया कि वादी द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य दस्तावेज के अनुसार वादी का नाम मोहन उर्फ बृजमोहन किए जाने पर राज्य हित प्रभावित नहीं होता है

वाद द्वारा अपने वाद पत्र के समर्थन में रजिस्टर विक्रय दस्तावेज दिनांक 15.05.1976, नकल जमाबन्दी सम्वत् 2030-2033, नकल जमाबन्दी 2034-37, मिलान क्षेत्रफल सम्वत् 2041-2060, खतौनी जमाबन्दी भू प्रबन्धक विभाग सम्वत्


उपखण्ड अधिकारी
ताखेरी जिला बून्दी

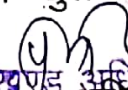
2041-2060, नकल जमाबन्दी सम्वत् 2072-2075, नकल जमाबन्दी 2076-2079, रजिस्टर्ड नोटिस धारा 80 सी.पी.सी., पेश किए तथा वादी स्वयं का आधार कार्ड, निर्वाचन कार्ड, बैंक पासबुक, स्वयं का बिजली का बिल की छायाप्रतिया पेश की गई है।

वादी के अधिवक्ता की एकपक्षीय बहस सुनी गई वादी के अधिवक्ता द्वारा वाद पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि वादी द्वारा वर्णित भूमि को जर्गे रजिस्टर्ड विक्रय पत्र से खरीद की गई है। विक्रय पत्र से खुले नामान्तकरण में वादी का नाम बृजमोहन के स्थान पर मोहन दर्ज कर दिया गया है और अन्त में निवेदन किया गया कि वाद वर्णित आराजी के खाते में वादी का नाम मोहन के स्थान पर बृजमोहन आ० राधाकिशन दर्ज किया जावें।

हमारे द्वारा वादी के अधिवक्ता की एकपक्षीय बहस पर मनन किया गया एवं पत्रावली का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया गया। वादी द्वारा प्रस्तुत विक्रय रजिस्टर्ड दस्तावेज एवं प्रस्तुत पहचान पत्रों में वादी का नाम बृजमोहन आ० राधाकिशन दर्ज है किन्तु भूमिधारी तहसीलदार इन्द्रगढ़ द्वारा प्रस्तुत जवाब दावे में आंशिक स्वीकार होना जाहिर किया है अतः वादी का वाद पत्र आंशिक स्वीकार किया जाना न्यायहित में उचित प्रतीत होता है।

अतः वादी का वादपत्र आंशिक स्वीकार किया जाकर डिक्री किया जाता है तहसीलदार इन्द्रगढ़ को आदेशित किया जाता है कि वाद वर्णित आराजी नकल जमाबन्दी सम्वत् 2076-2079 के खाता संख्या 67, खाता संख्या 68 वाके ग्राम अरनिया तहसील इन्द्रगढ़ जिला बून्दी में स्थित कृषि भूमि के खातो में दर्ज मोहन पुत्र राधाकिशन को विलोपित किया जाकर उसके स्थान पर मोहन उर्फ बृजमोहन आ० राधाकिशन दर्ज किया जाकर राजस्व रिकार्ड को दुरुस्त किया जावें। तदनानुसार पर्चा डिक्री जारी हो पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर वाद तकमील दाखिल दफतर हो।

निर्णय लिखवाया जाकर आज दिनांक 23.07.2021 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।


उपखण्ड अधिकारी
लाखेरी जिला बून्दी
लाखेरी (बून्दी)

अन्तिम डिगरी ब मुकदमें इत्दाई

(O 20,Rr 6,7)

(civil Procedure Code Appendix D)

आज अदालत __उपखण्ड अधिकारी____ मुकाम____लाखेरी____व
 इजलास____प्रमोद कुमार (आर.ए.एस.)____
 1 बृजमोहन आ० राधाकिशन जाति धाकड़ .बनाम____1.राजस्थान राज्य जयें तहसीलदार इन्द्रगढ़ तहसील
 ग्राम अरनिया तहसील इन्द्रगढ़ जिला बून्दी वगैरह- इन्द्रगढ़ जिला बून्दी (प्रतिवादी)
 (वादी)
 दावा बाबत____,88,89, आर टी एक्ट _____

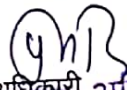
मुकदमा नम्बर____31/दावा/2019____सन____
 यह मुकदमा आज वास्ते इनफिसाल कतई रुबरू____हमरे____व हाजिरी

..श्री दिनेश कुमार शर्मा एडवोकेट____मिनजानिब मुद्दई रुबरू____सरकार पैरोकार _____
 ..मिनजानिब मुद्दायलह पेश होकर हुकुम दिया जाता है व डिगरी दी जाती है कि _____
 ..वादी का वादपत्र आंशिक स्वीकार किया जाकर डिकी किया जाता है तहसीलदार इन्द्रगढ़ को आदेशित
 किया जाता है कि वाद वर्णित आराजी नकल जमाबन्दी सम्वत् 2076-2079 के खाता संख्या 67 ,खाता
 संख्या 68 वाके ग्राम अरनिया तहसील इन्द्रगढ़ जिला बून्दी में स्थित कृषि भूमि के खातो में दर्ज मोहन पुत्र
 राधाकिशन को विलोपित किया जाकर उसके स्थान पर मोहन उर्फ बृजमोहन आ० राधाकिशन दर्ज किया
 जाकर राजस्व रिकार्ड को दुरुस्त किया जावें।

.....निज.....मुबलिग.....बाबत.....खर्चा
 इन मुकदमें के मय सूद बशरह _____फीसदी सालाना आज की तारीख से
 तारीख अदायगी तक _____का अदा करें।

सब मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख ..23 माह ..07.. सन.....2021.....

को जारी की गई।


 उपखण्ड अधिकारी अधिकारी
 लाखेरी (बून्दी) जिला बून्दी

दस्तखत

मुहर	ओहदा		विवरण	विवरण	दिनांक
	विवरण	दिनांक			
मुहर			1. मुकदमा दर्ज		
1. मुकदमा दर्ज			2. मुकदमा दर्ज		
2. मुकदमा दर्ज			3. मुकदमा दर्ज		
3. मुकदमा दर्ज			4. मुकदमा दर्ज		
4. मुकदमा दर्ज			5. मुकदमा दर्ज		
5. मुकदमा दर्ज			6. मुकदमा दर्ज		
6. मुकदमा दर्ज			7. मुकदमा दर्ज		
7. मुकदमा दर्ज			8. मुकदमा दर्ज		
8. मुकदमा दर्ज			9. मुकदमा दर्ज		
9. मुकदमा दर्ज			10. मुकदमा दर्ज		

नोट :- इस खर्च के फार्म पर कुल खर्चा हर दो फरिफेन का चाहे डिगरी के जरिये दिखाया गया हो या नही दर्ज करना चाहिये।